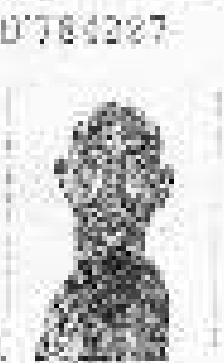
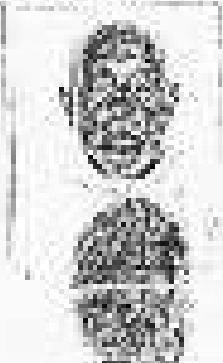


7501-105



0940764287



विष्णु गिरिचम

ਫ਼ਿਲਮ ਨੰਬਰ : 750 15,37,574/-
 ਕਲਾਸਿਕ ਸੂਚੀ : 283 5,61,000/-
 ਪਰਾਸ਼ਾਤ ਸੂਚੀ : 85 1,02,750/-
 ਕੁਲ : ਪਿਲਾਈ

३६ विजय विलेख राजमहल, भाईनाल, बरहोली व मन्ना
पुत्रका स्व० छवीले व मु० गुब्बारा देवा स्व० छवीले व नन्तक पुत्र


$$11-6-3 \quad \pi(A_1) \cap \pi(A_2)$$

$\frac{1037074}{5000 \times 30}$

१. मन्त्रालय के लिये
२. राज्य सरकार के लिये
३. विधानसभा के लिये
४. लोक सभा के लिये
५. राज्य सभा के लिये
६. न्यायाधीशों के लिये
७. अन्य अधिकारियों के लिये

Figure 1. The effect of the concentration of the *Agaricus bisporus* spores on the growth of *Agaricus bisporus* on the substrate. The concentration of the spores was 10⁴ spores/g substrate (a), 10⁵ spores/g substrate (b), 10⁶ spores/g substrate (c), 10⁷ spores/g substrate (d), 10⁸ spores/g substrate (e), 10⁹ spores/g substrate (f). The substrate was a mixture of 100 g of straw and 100 g of manure. The substrate was incubated for 14 days at 25 °C. The substrate was then inoculated with 10⁴ spores/g substrate (a) and 10⁵ spores/g substrate (b). The substrate was then incubated for 14 days at 25 °C. The substrate was then inoculated with 10⁶ spores/g substrate (c) and 10⁷ spores/g substrate (d). The substrate was then incubated for 14 days at 25 °C. The substrate was then inoculated with 10⁸ spores/g substrate (e) and 10⁹ spores/g substrate (f). The substrate was then incubated for 14 days at 25 °C.

श्री गुरुदेव
 गुरुदेव ज्ञानदाता तू ही माझे गुरू (गुरुदेव)
 जीवने कधीही तुझा भोग न करीन मरणापर्यंत तुलाच श्रद्धा
 द्याईल तू माझे हृदय चालू ठेवा, मरणापर्यंत तू माझे प्रिय
 वरुण आहे मनाचे तू हे देऊ लागसो तो आत्मज्ञान सोबतच येतो तेव्हा
 ते सत्य जाणून घ्या, प्रियतेवर तुला

१८८७-८८
 दिनांक १२-१२-८७
 स्थान १२-१२-८७
 नाम १२-१२-८७
 पता १२-१२-८७

(१) १२-१२-८७
 नाम १२-१२-८७

१२-१२-८७
 १२-१२-८७
 १२-१२-८७
 १२-१२-८७
 १२-१२-८७
 १२-१२-८७





0300 754229

कोषागार लखनऊ	उ
दस्तावेज संख्या व वर्ष	क
25 174/200	ख
र. पं. अ/कोषागार	ग
अधिस कोषागार लखनऊ	घ
K. G. I. R. Y.	च

- 3 -

यह कि विवेकागम भूमि असात नं० 89 खण्ड 2,553 हेक्टर, स्थित राम गुरुफ नगर उर्फ अगियासक, पारना -मिर्जापुर तहसील व जिला, लखनऊ के मालिक, कान्तिन व कान्तिन हैं तथा दारौला भूमि विवेकागम के नाम का अमल दरमद राज्य अभिलेखों में हो गया है। बन्ध्याकिश देवीजी के साथ प्रतिनिधि के अनुसार नई में लता भूमि छहले पुत्र मेरी निवासी- राम गुरुफ नगर उर्फ अगियासक, पारना -मिर्जापुर तहसील व जिला, लखनऊ के नाम एवं भी पानु रतनान में रामअवार, भाईलाल, बन्ध्याकिश व रामा गुरुगण 200 छहले व मुा

महोदय (लखनऊ)

महोदय (लखनऊ)

महोदय (लखनऊ)

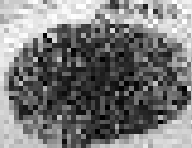
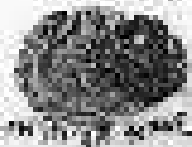


का. प्रमाण संख्या	८
मालिक का नाम	५
पता	५
स. को. अ. / क्षेत्र	५
प्रकार का पत्र	५
L. K. G. T. B. Y.	५

0330 784230

- 4 -

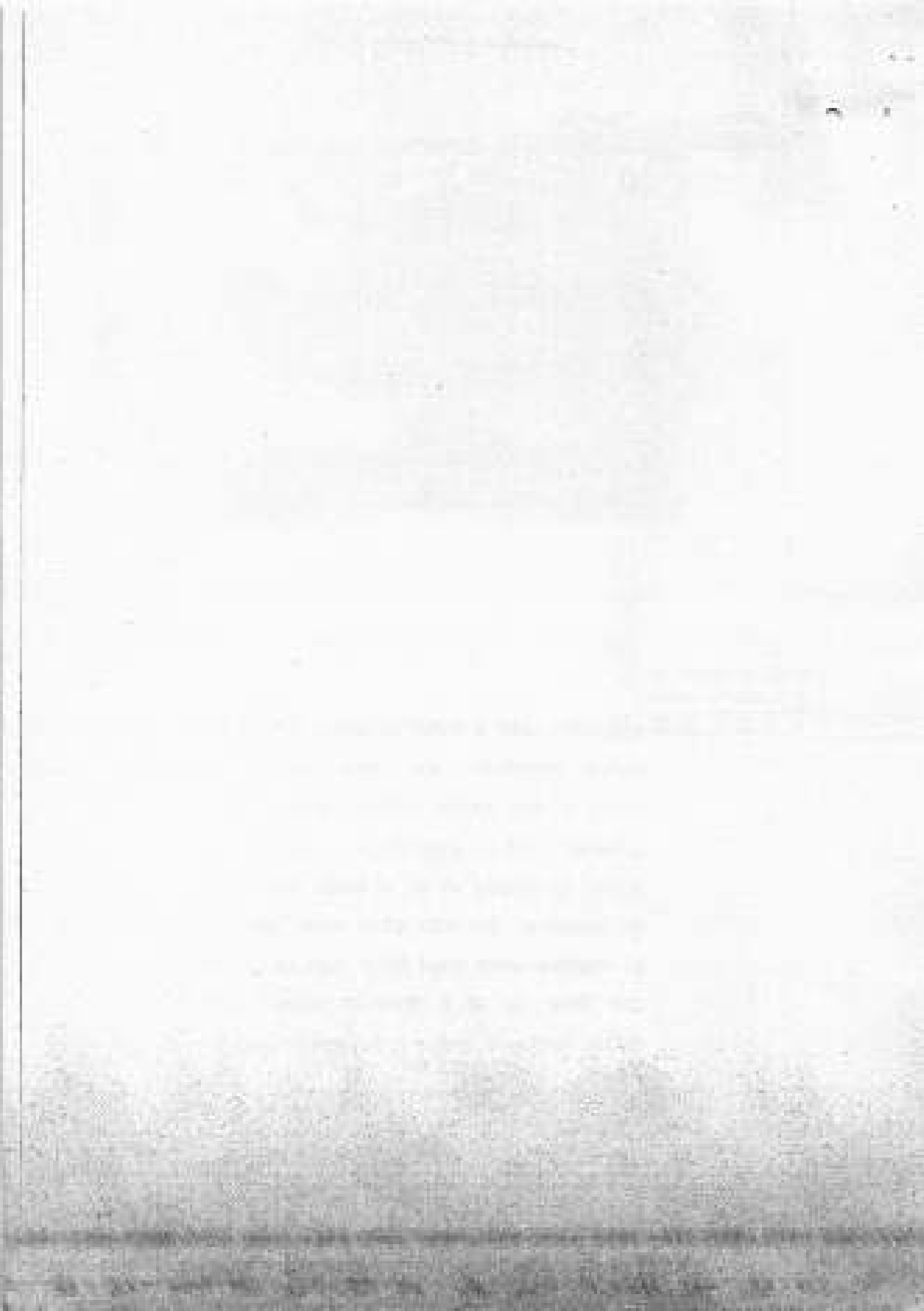
श्री रा. गो. खीले व गच्छक पुत्र छत्रपाल व गुं. कुलदास दिवंगत
छत्रपाल निवासीय- ग्राम गच्छक नगर तहसील, अजमेर,
परगना-किजगीर, तहसील व जिला, लखनऊ के नाम राजस्व
अभिलेखों में दर्ज हैं। आदेश दिनांक 03.02.2003 क्रमांक 20 के
अनुसार गुं. कुलदास की मृत्यु के पश्चात उनके स्थान पर गच्छक
पुत्र छत्रपाल का नाम बाँटेर बाँटिस राजस्व अभिलेखों में अंकित
है। विप्रेतानग अपना सम्पूर्ण हिस्सा श्रेया को हस्त विप्रेत
दादा विप्रेत दादा रहे हैं विप्रेतानग उत्तरोक्त सम्पूर्ण भूमि को
मालिक, कानून व शांति है एवं वर्तमान समय में उत्तम भूमि



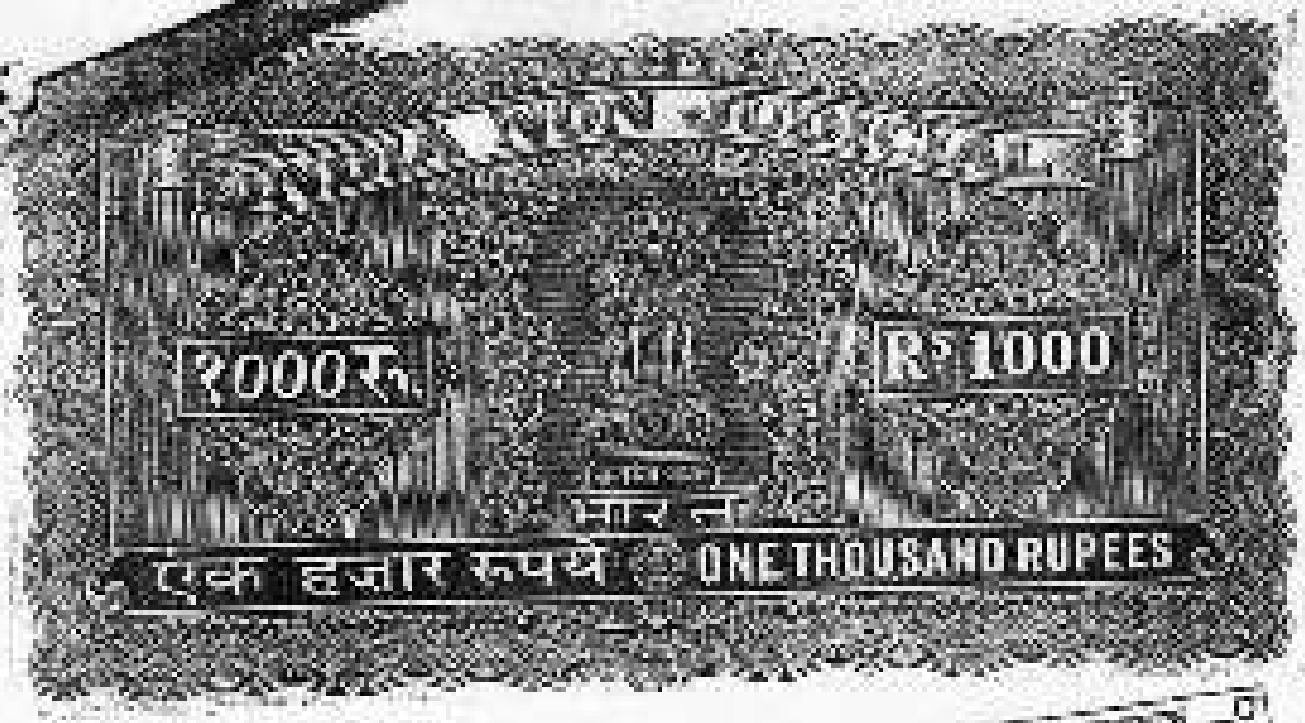
Handwritten signature and text, possibly a date or reference number.

Handwritten text, possibly a date or reference number.

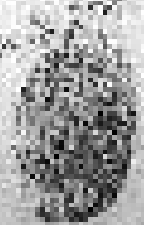
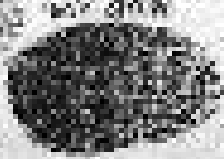
Handwritten text, possibly a date or reference number.



100



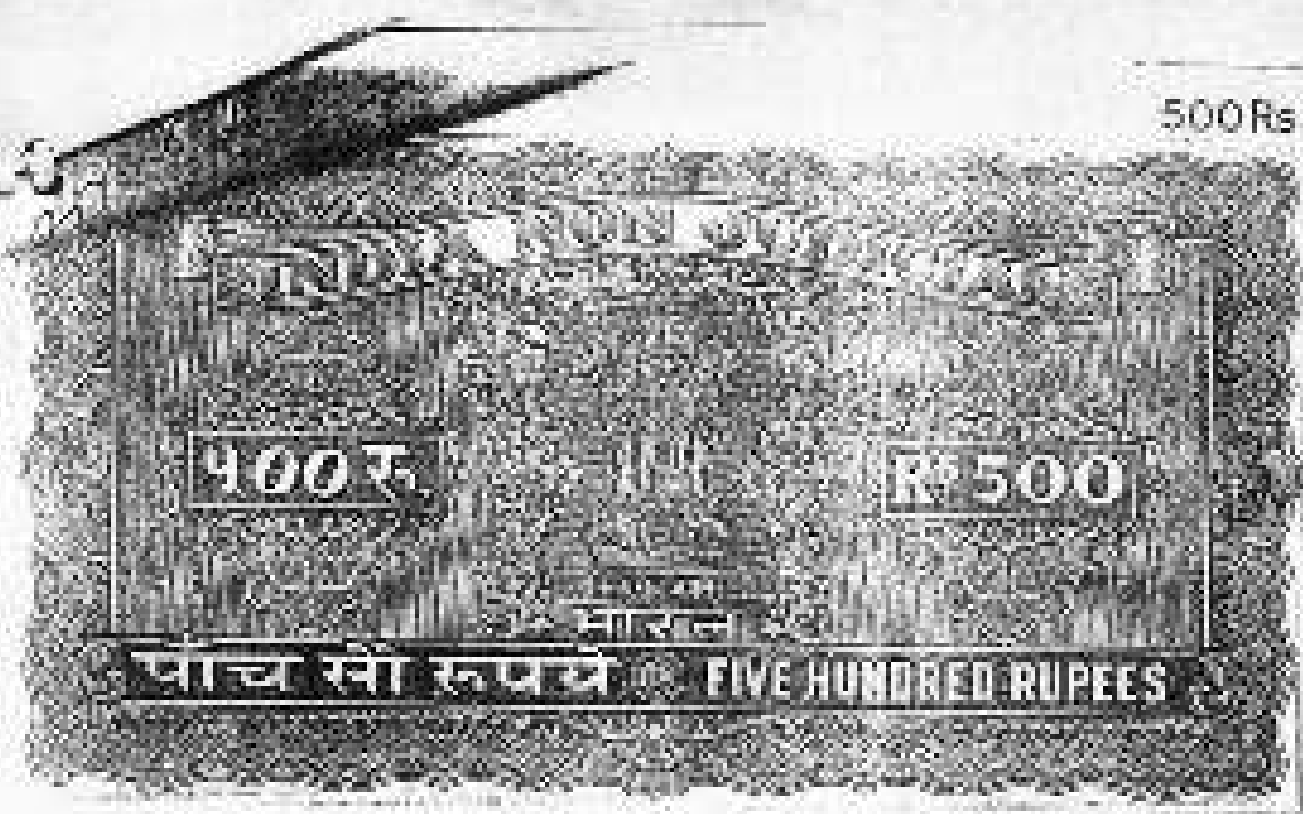
आरक्षण पर विवेकागण तथा उसके नाटिकाय को कोई अधिकार नहीं है। विवेकागण ने विक्रयशुद्ध सम्पत्ति को अपने स्वामित्व में समस्त अधिकारों को साथ गुंजावट व हस्ता के लिए कंसा को हस्तांतरित कर दिया है। अब कंसा विक्रयशुद्ध सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व वस्त्रों में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपयोग करने। विवेकागण उसमें किसी प्रकार की अद्वयन भाग नहीं अलग करके एवं न ही कोई भाग कर सकते। और यदि विक्रयशुद्ध सम्पत्ति अथवा कोई भाग विवेकागण के स्वामित्व में मुद्रि के कारण या



सं. १०००

सं. १०००

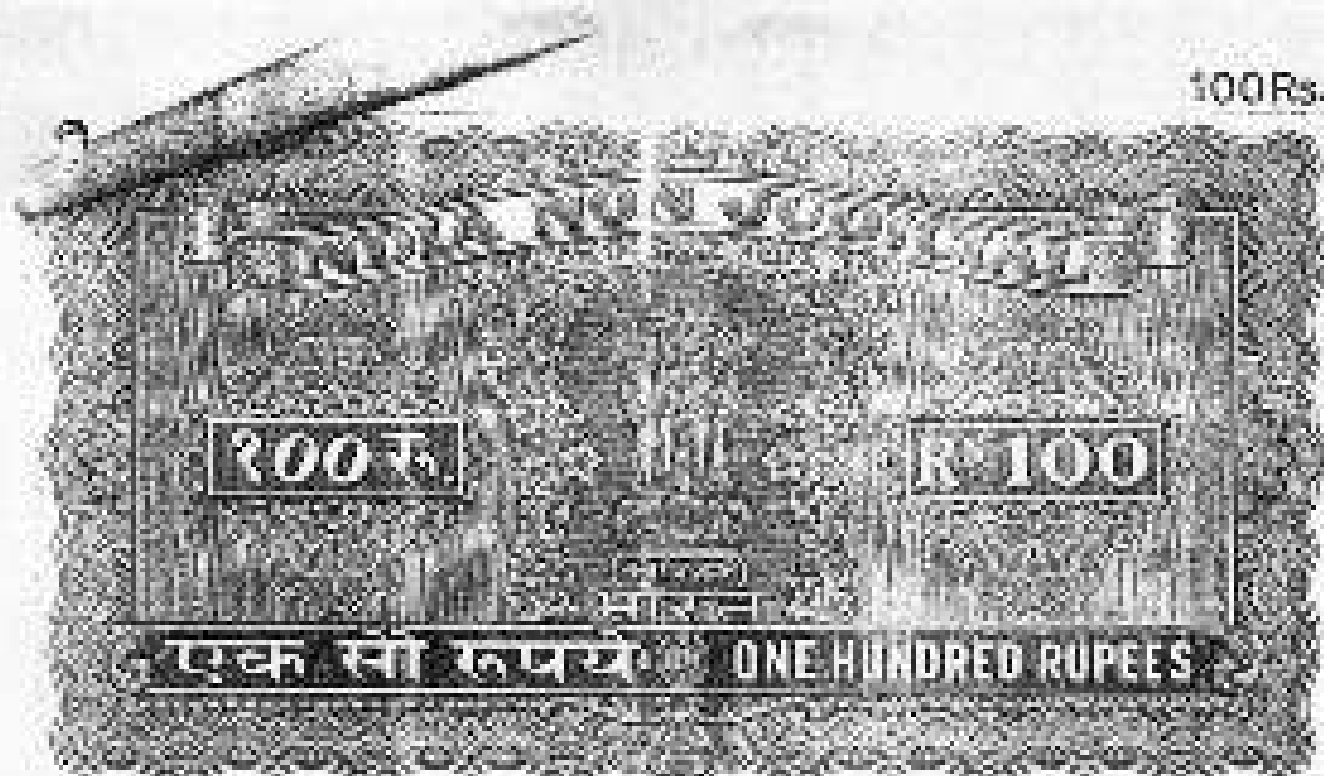
500Rs



- 8 -

कानूनी अधिकार या कानूनी छूट के कारण होता या उसके
 वारिसान निष्पादकान इत्यादि के लक्ष्य या अभियान या स्वतः ही
 निकल आई तो होता उसके वारिसान निष्पादकान इत्यादि को
 यह एक होगा कि वह अपना समस्त गुप्तज्ञान तथा हथी व हथिया,
 विस्तारान की बात, अपने सम्पत्ति से जैसी अवलोकन बलून कर
 ले। उस स्थित में विस्तारान एवं उसके वारिसान हथी व हथिया
 देने हेतु लक्ष्य होगा।

Handwritten signatures and stamps at the bottom of the page, including a circular stamp on the left and a rectangular stamp on the right.



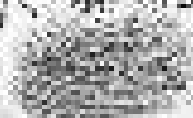
यह कि सेवा विश्वव्यापक सम्पत्ति की दायित्व उत्पत्ति
 राज्य अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करता है तो विदेशीकरण की
 कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस प्रकार विदेशीकरण की पूर्ण का
 अगर कोई व्यक्ति किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो
 उसकी विदेशीकरण मुक्तता न रहने लगेगी, विदेशीकरण की कोई
 आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त जलदा नगर नगर निगम की सेवा के
 अन्तर्गत नहीं आता है किन्तु जल नगर नगर निगम के



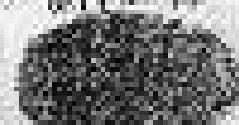
नगर निगम

नगर निगम



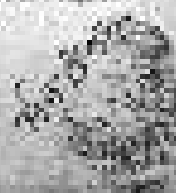
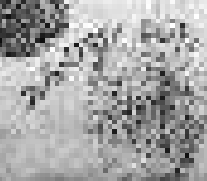
नगर निगम

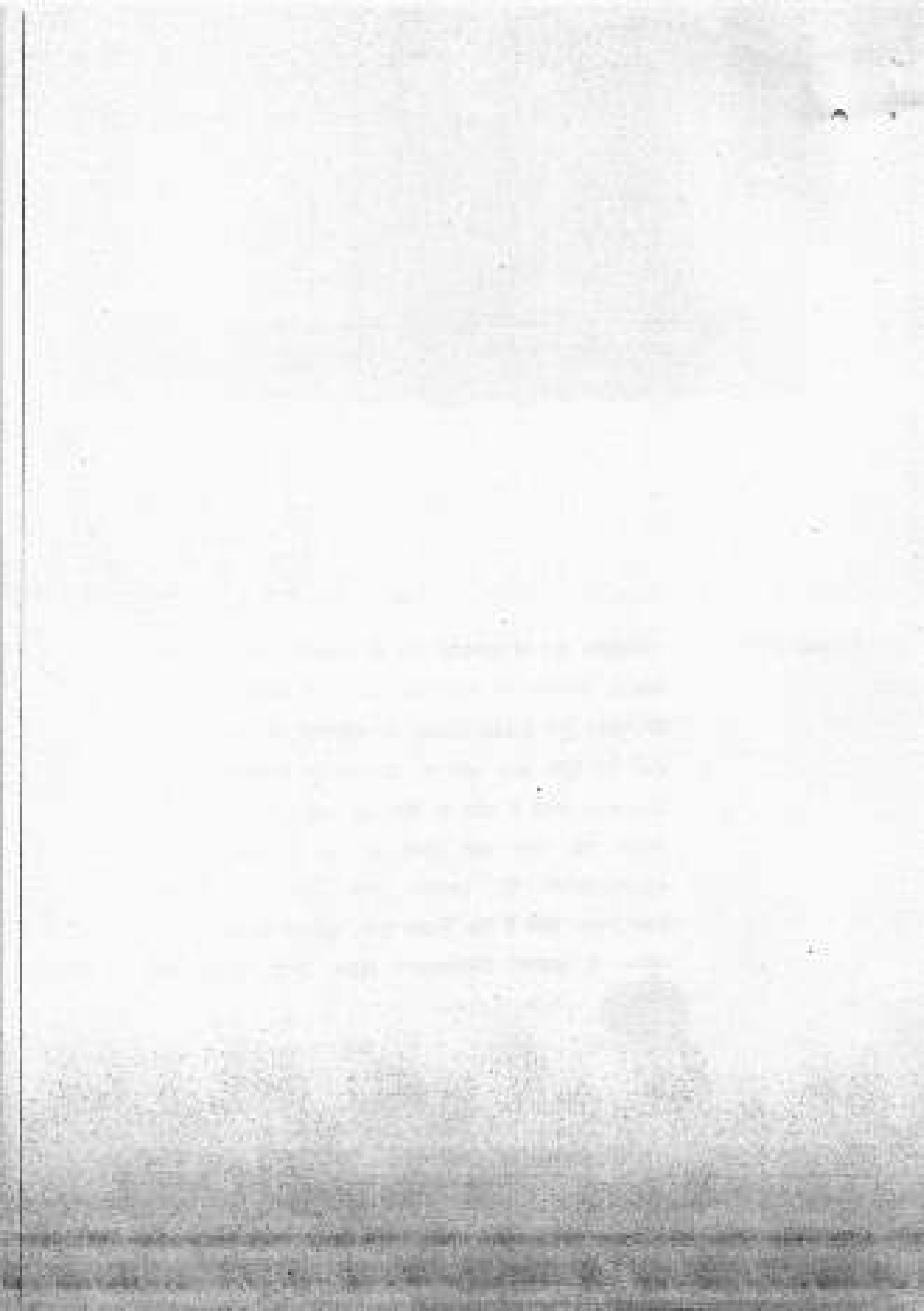
नगर निगम



नगर निगम

नगर निगम

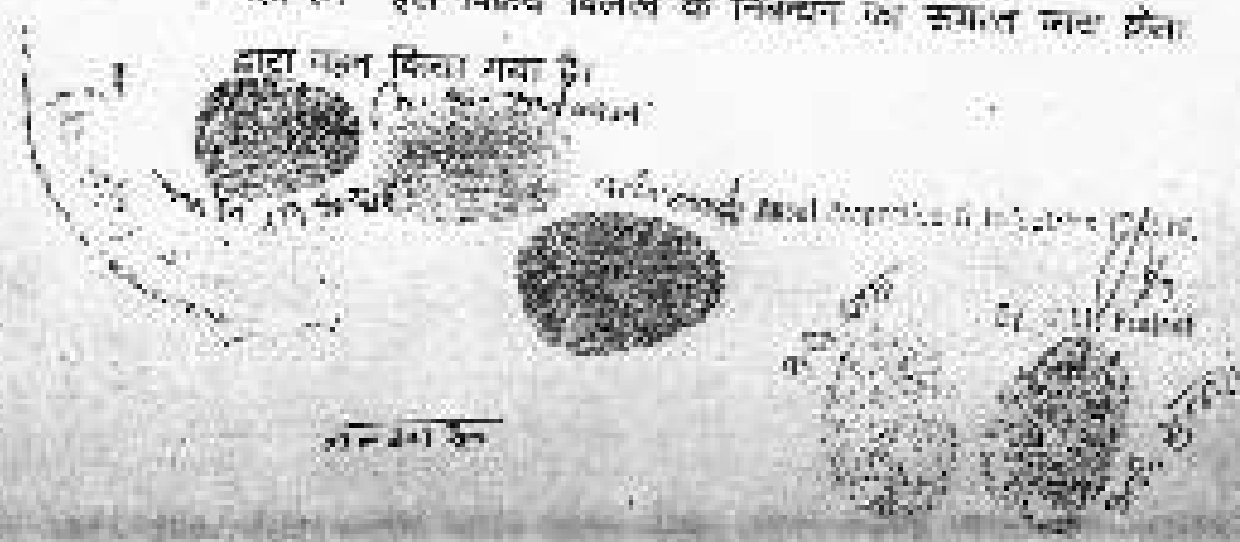


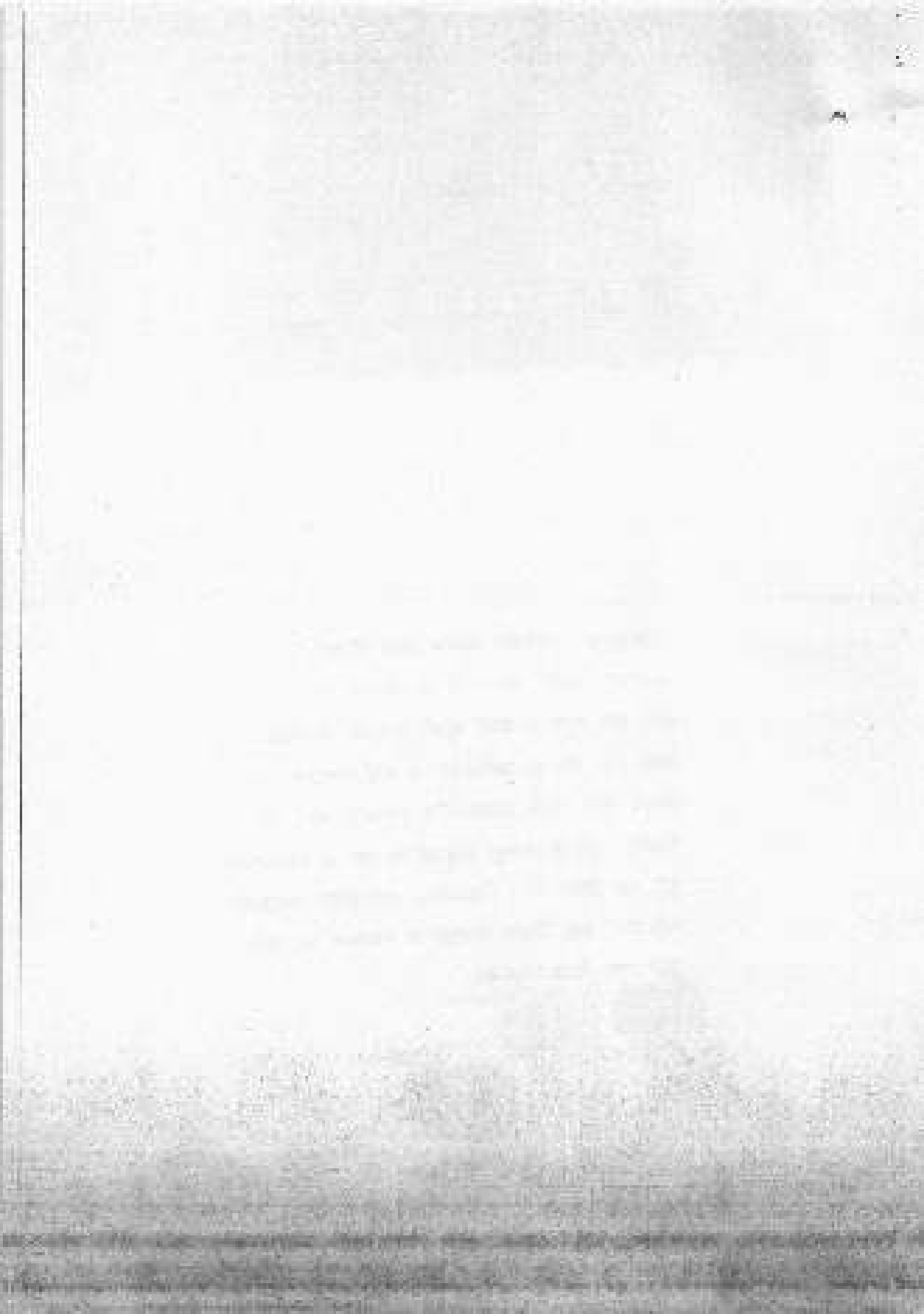




- 11 -

100.000/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। वह कि उपरोक्त विनिर्दिष्ट भूमि क्षेत्रों के उपयोग के लिए कब्जा की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मीटर की अव्यवस्था में कोई निर्माण नहीं है विनिर्दिष्ट भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विनिर्दिष्ट भूमि सुल्तानपुर रोड से लगभग दो किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विनिर्दिष्ट अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है। इस विनिर्दिष्ट क्षेत्र के निष्पत्ति का समर्थन प्राप्त होता है।





THE UNIVERSITY OF CHICAGO
DEPARTMENT OF CHEMISTRY

REPORT OF THE
COMMISSIONERS OF THE
BOARD OF CHEMISTRY
FOR THE YEAR 1900
AND THE
PROGRESS OF THE
DEPARTMENT OF CHEMISTRY
DURING THE YEAR 1900

REPORT OF THE
COMMISSIONERS OF THE
BOARD OF CHEMISTRY
FOR THE YEAR 1900
AND THE
PROGRESS OF THE
DEPARTMENT OF CHEMISTRY
DURING THE YEAR 1900

REPORT OF THE
COMMISSIONERS OF THE
BOARD OF CHEMISTRY
FOR THE YEAR 1900
AND THE
PROGRESS OF THE
DEPARTMENT OF CHEMISTRY
DURING THE YEAR 1900

REPORT OF THE
COMMISSIONERS OF THE
BOARD OF CHEMISTRY
FOR THE YEAR 1900
AND THE
PROGRESS OF THE
DEPARTMENT OF CHEMISTRY
DURING THE YEAR 1900

विश्लेषण की कृति से प्राप्त हुए तथा जिराबी प्राप्ति विश्लेषण
स्वीकार करता है।

लखनऊ

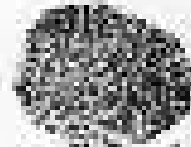
दिनांक: 03.09.2004

प्राप्त

श्री. ए. ए. सिद्धांत
5-1/2, पल्लव, नाला रोड
बी. ए. 103, 041013

2
श्री. ए. ए. सिद्धांत
5-1/2, पल्लव, नाला रोड
बी. ए. 103, 041013

नई दिल्ली
श्री. ए. ए. सिद्धांत

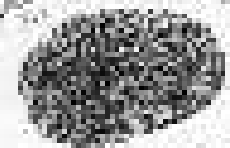


सर्वोच्च न्यायालय

नया दिल्ली



नया दिल्ली



नया दिल्ली



विश्लेषण

श्री. ए. ए. सिद्धांत



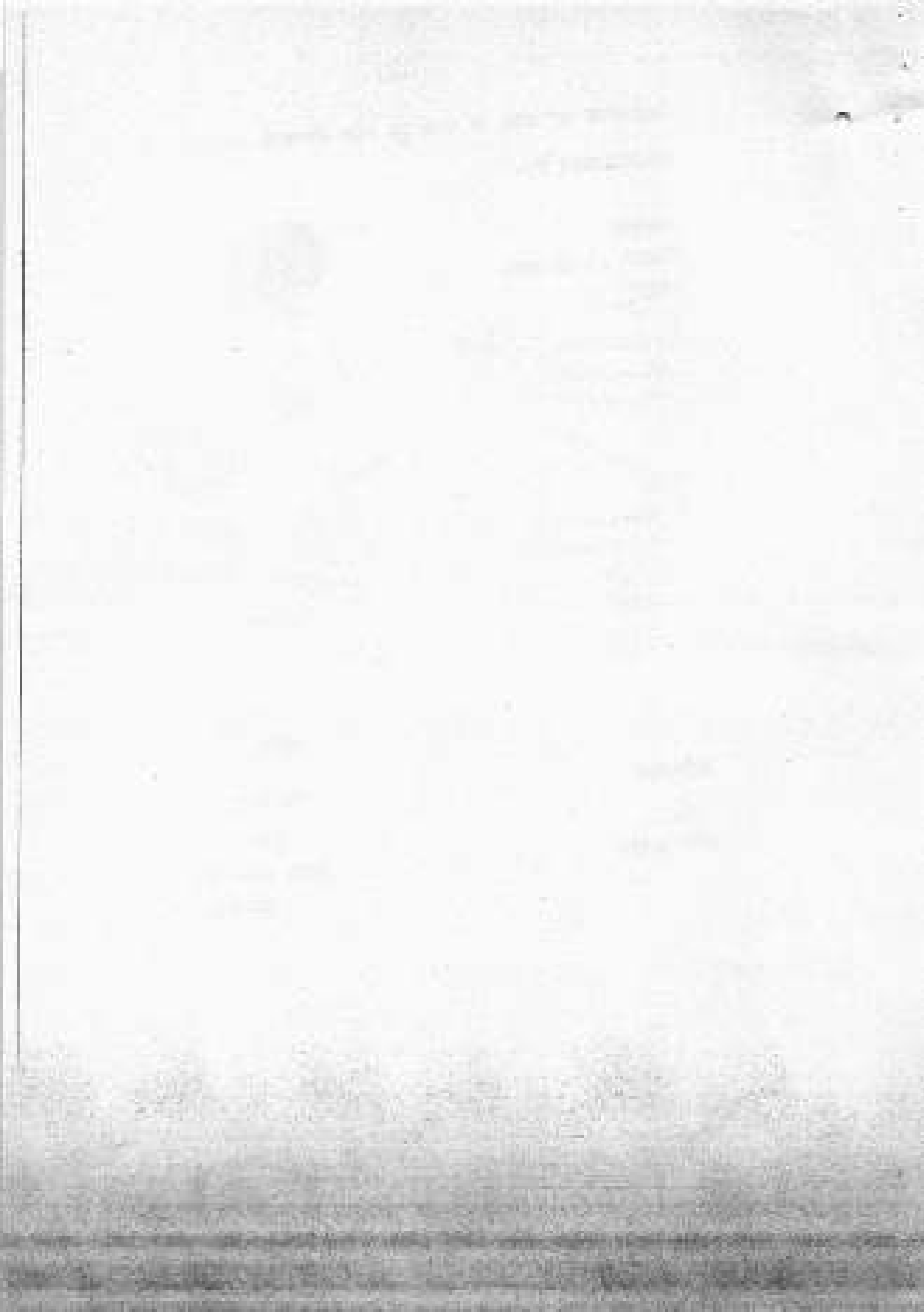
श्री. ए. ए. सिद्धांत

महाविद्यालय

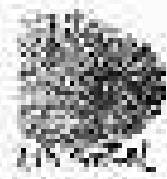
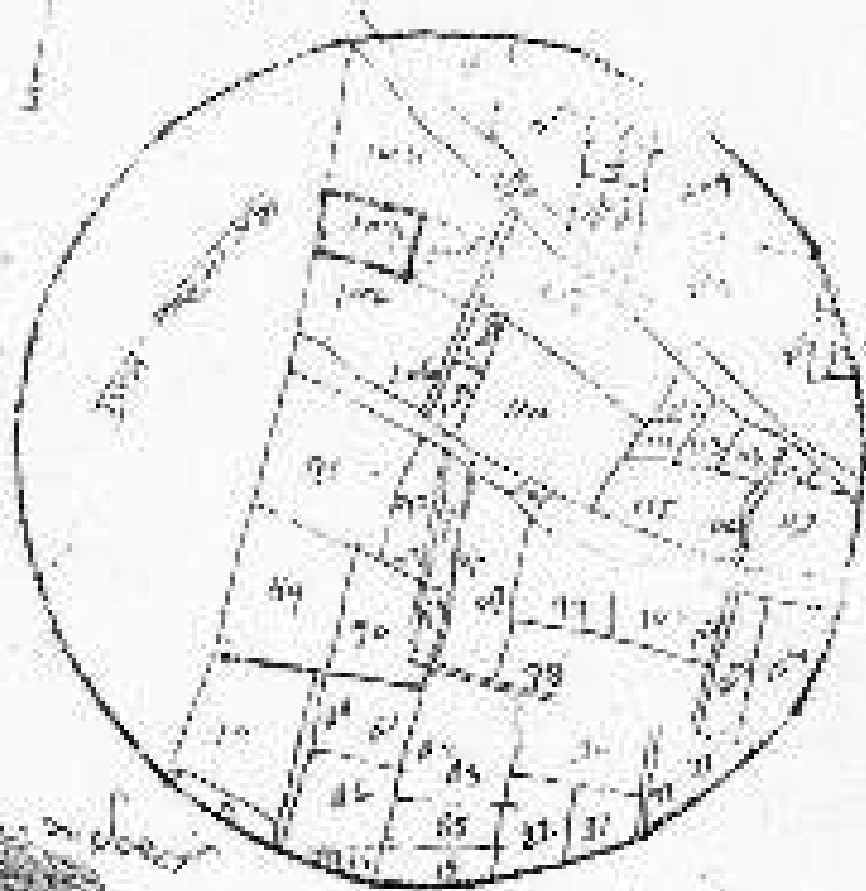
श्री. ए. ए. सिद्धांत

(सिद्धांत एम. ए. सिद्धांत)

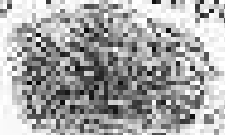
एडमिनिस्ट्रेटिव



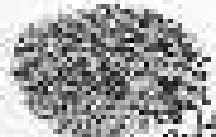
१९५४ मध्यम काल की संश्लेषणात्मक
 १९५५-५६ विज्ञान विभाग की रिपोर्ट



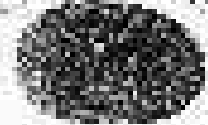
१. २. ३. ४. ५.



६. ७. ८. ९. १०.



११. १२. १३. १४. १५.

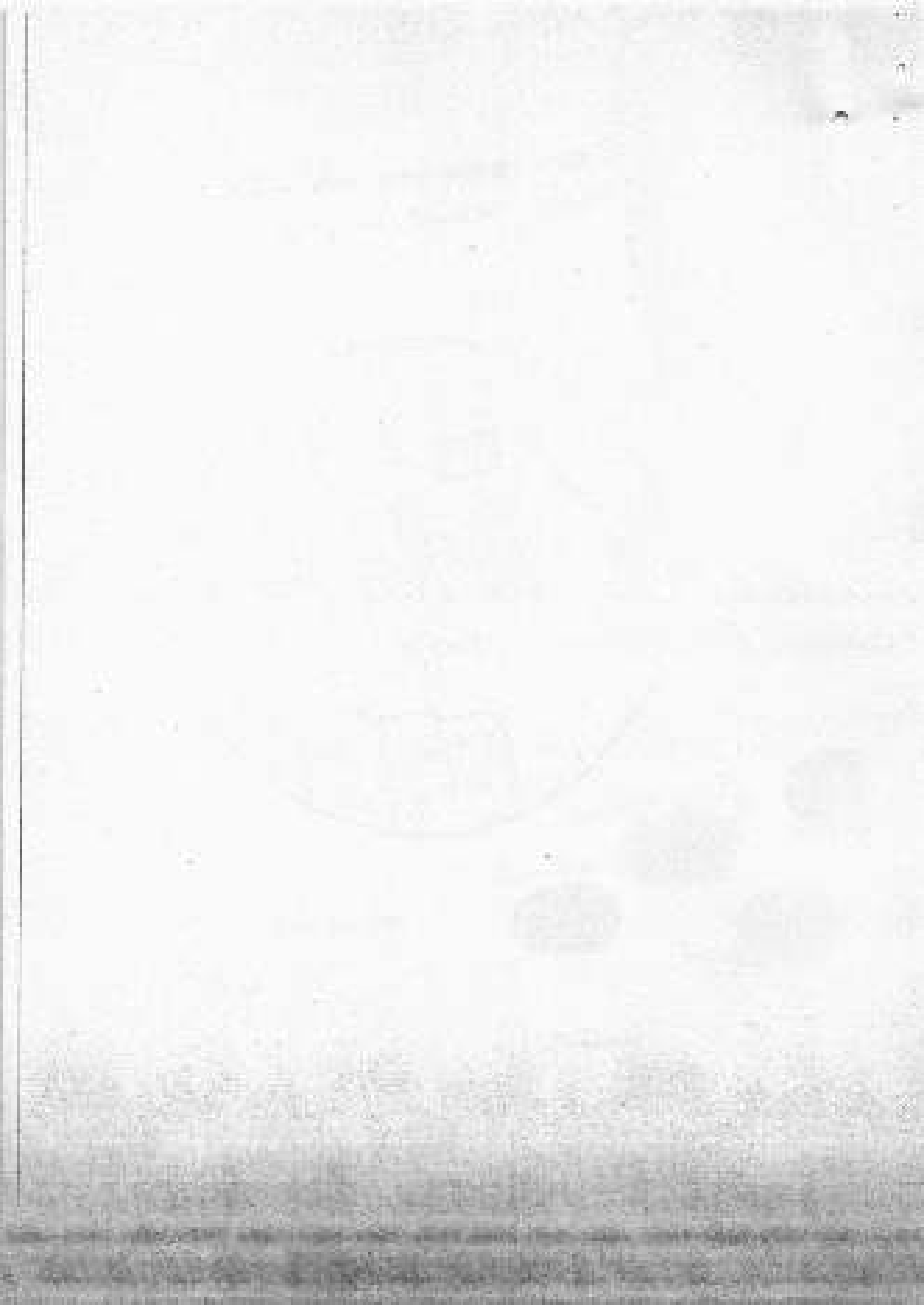


१६. १७. १८. १९. २०.

२१. २२. २३. २४. २५.

२६. २७. २८. २९. ३०.

३१. ३२. ३३. ३४. ३५.



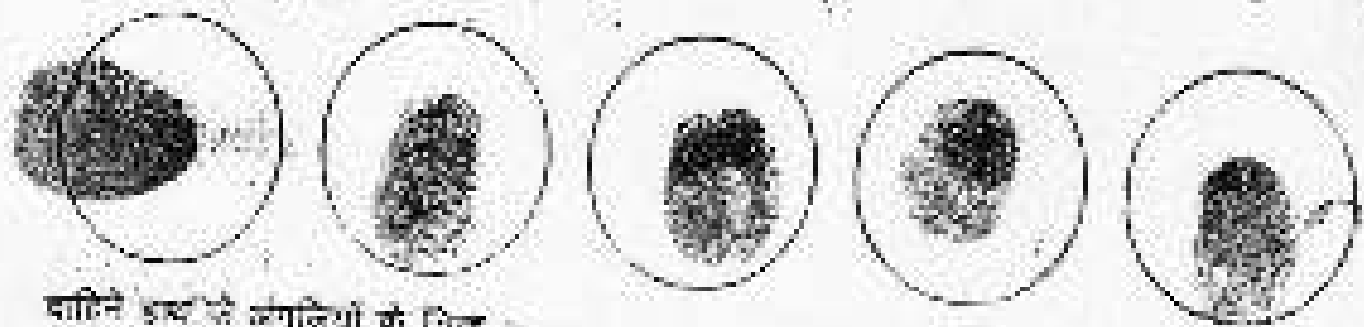
सिजस्ट्रेशन अक्टो 1908 की धारा-32 ए० के अनुपालन हेतु,
 फिंगरर्स प्रिन्ट्स

पुरुष/महिला नाम व पता :-

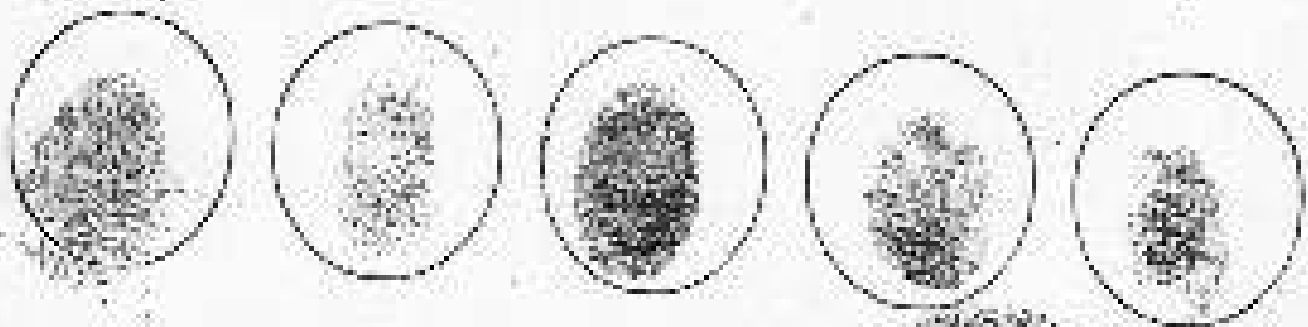
राज २२२२२२

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

3 3 3 3 3 3 3 3 3 3



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



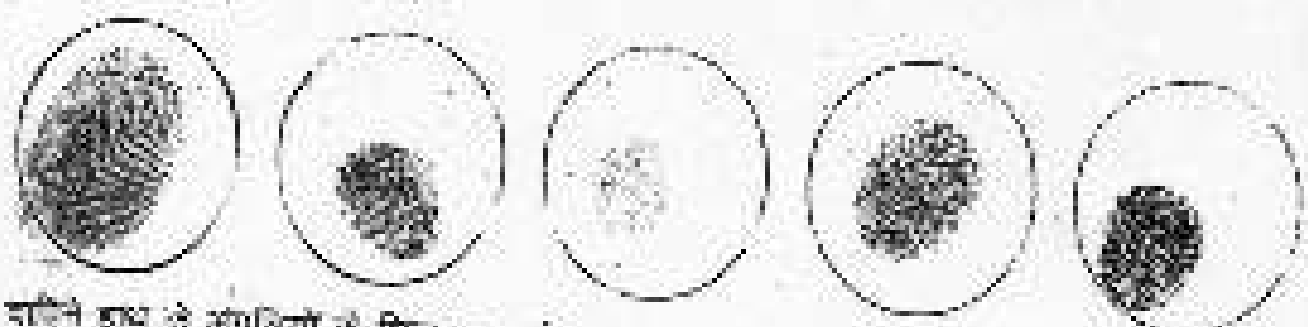
विशेषता/लक्षण नाम व पता :-

राज २२२२२२

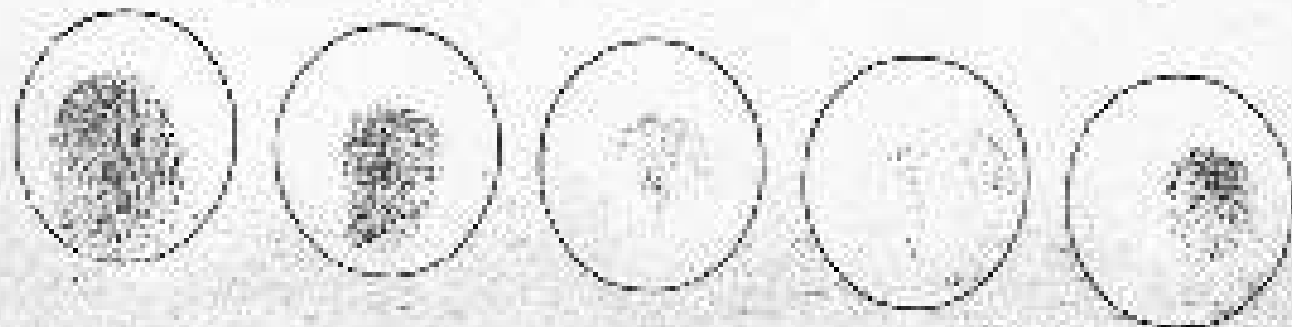
पुरुष/महिला नाम व पता :- राज २२२२२२

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

3 3 3 3 3 3 3 3 3 3



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



पुरुष/महिला नाम व पता :- राज २२२२२२

फिंगरस प्रिन्ट्स

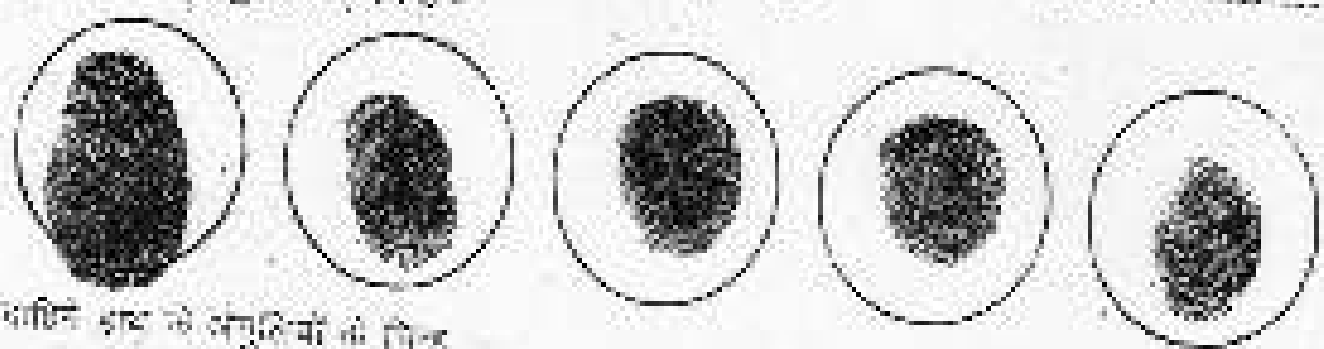
एक क अनुपालन हेतु

फिंगरस प्रिन्ट्स नाम व पता :-

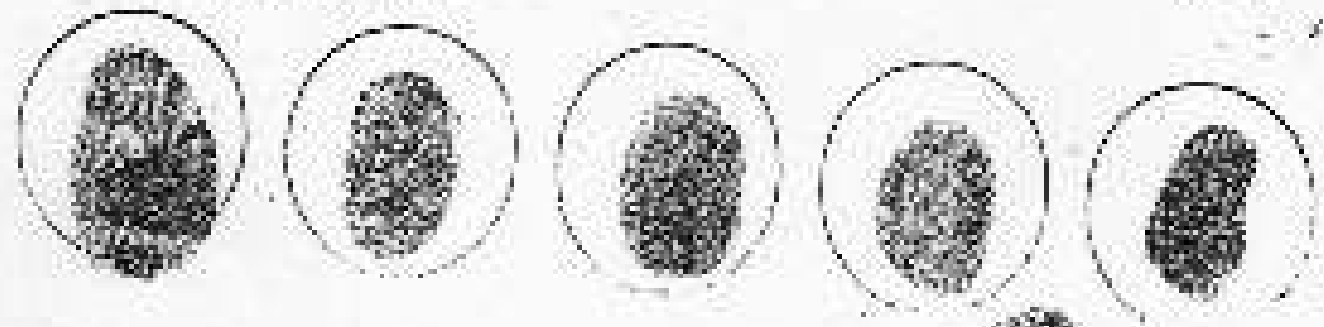
मालवी

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

फिंगर प्रिन्ट्स



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

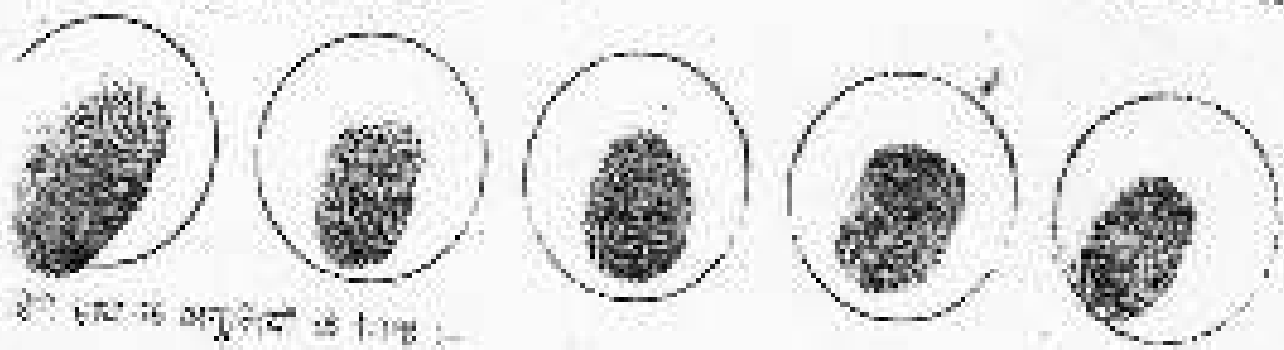


फिंगरस प्रिन्ट्स नाम व पता :-

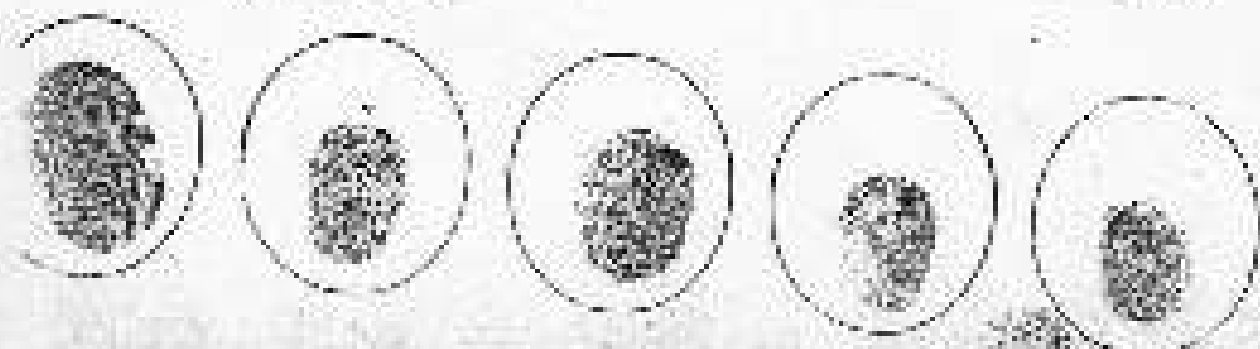
मालवी एक क अनुपालन हेतु

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

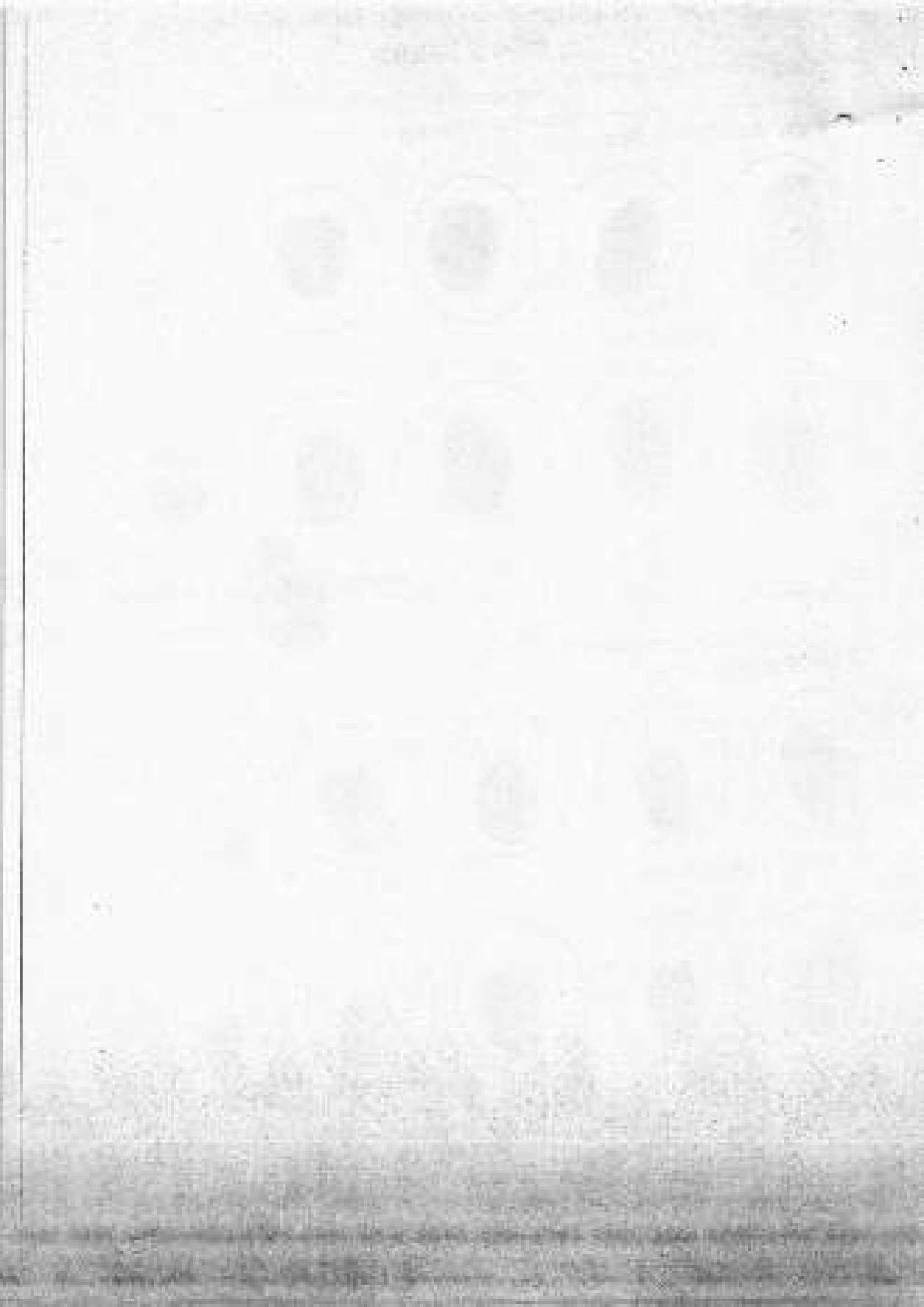
फिंगर प्रिन्ट्स



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



फिंगरस प्रिन्ट्स नाम व पता :-



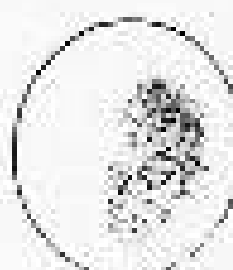
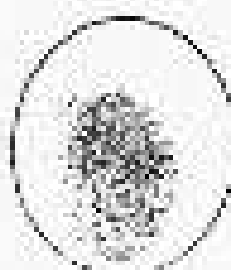
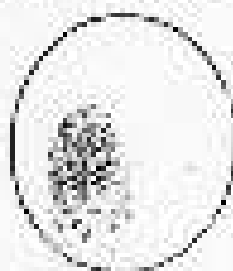
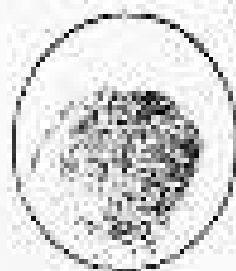
राजिस्टरेशन अधिनियम 1908 की धारा-32 ए० के अनुपालन हेतु, फिंगर प्रिंट्स

अभिज्ञता/विवेक नाम व पता -

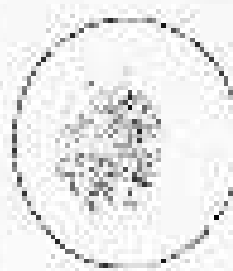
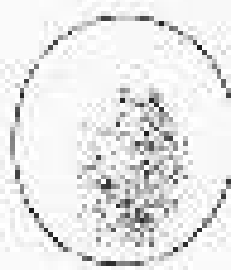
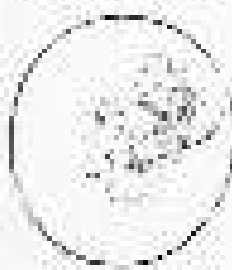
सुन्दर

पते पर न अंगुलि से चिह्न

विशेष उद्देश्य



बाहिरे हाथ के अंगुलि से चिह्न -



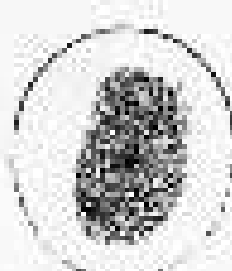
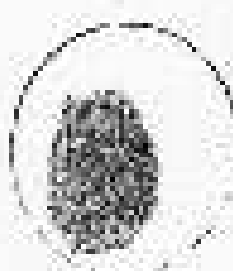
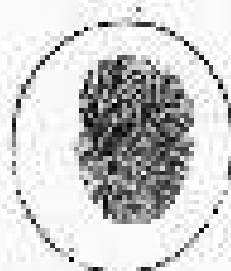
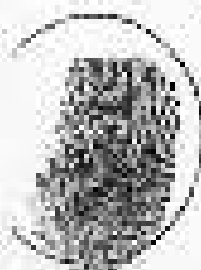
अभिज्ञता/विवेक नाम व पता -

अभिज्ञता/विवेक नाम व पता -

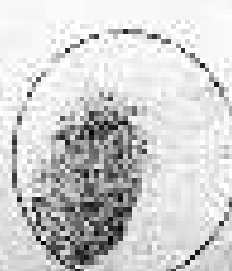
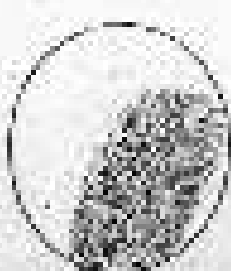
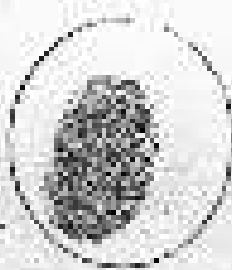
पते पर न अंगुलि से चिह्न -

विशेष उद्देश्य

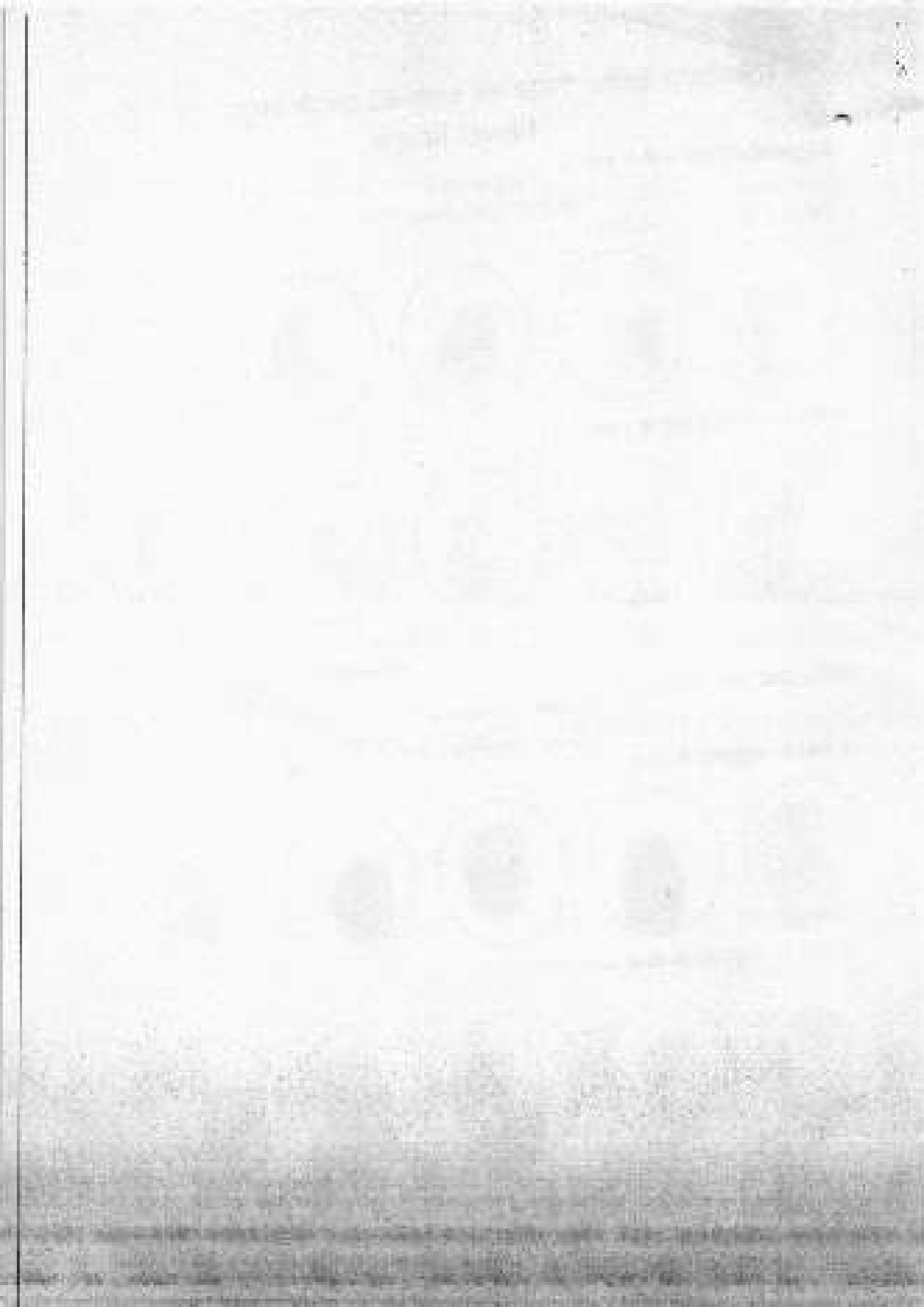
1



बाहिरे हाथ के अंगुलि से चिह्न -



अभिज्ञता/विवेक नाम व पता -



पिंजारा प्रिन्स

4-2-72 (cont)

Chlorophyll *a* fluorescence



4-12-2011

8/9/04
26-1/302-7522

